निर्णय लेने का समय

रैंडोल्फ डन

बाइबिलवे प्रकाशन

राष्ट्रपति का वक्तव्य

बाइबलवे पब्लिशिंग एक गैर-लाभकारी बाइबल मंत्रालय है। इसका प्राथमिक ध्यान अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान की वेबसाइटों और डिजिटल पुस्तकों पर है। IBKI का उद्देश्य ईश्वर और उसकी इच्छा के बारे में अधिक जानने में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बाइबल पाठ उपलब्ध कराना है। प्रमाणपत्र या डिप्लोमा हासिल करने के लिए छात्रों को संस्थान में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। इन पाठों का अध्ययन ज़ूम द्वारा ऑनलाइन या कक्षाओं में किया जा सकता है, डिजिटल उपकरणों पर डाउनलोड किया जा सकता है, ईमेल किया जा सकता है, मुद्रित किया जा सकता है, या व्यक्तियों, समूहों या चर्चों द्वारा उनके प्रचार मंत्रालय में उपयोग किया जा सकता है। IBKI एक मान्यता प्राप्त संस्थान नहीं है.

हम अनुशंसा करते हैं कि आप इन पाठों में या किसी अन्य स्रोत से कही गई बातों की सटीकता निर्धारित करने के लिए अपनी बाइबल का अध्ययन करें। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बाइबिलिकल नॉलेज (आईबीकेआई) पाठों में प्रस्तुत "टिप्पणियाँ" लेखकों या संकलनकर्ताओं की राय हैं। राय अक्सर ऑडियो, वीडियो और प्रिंट पाठों के साथ-साथ बाइबल टिप्पणियों में भी अपना रास्ता खोज लेती हैं; और, प्रचारकों, मंत्रियों, पादरियों, पुजारियों और रब्बियों की शिक्षाओं में।

आपको हमेशा इनकी सभी टिप्पणियों, राय और शिक्षाओं को सत्यापित करना चाहिए क्योंकि ईश्वर की इच्छा को खोजना, जानना और करना आपकी ज़िम्मेदारी है।

किसी भी शिक्षण की सत्यता की जांच करने के लिए, विभिन्न बाइबिल अनुवाद पढ़ें, और अपरिचित शब्दों या वाक्यांशों के अर्थ जानने के लिए बाइबिल शब्दकोशों और शब्दकोशों से परामर्श लें। किसी भी शब्दकोश परिभाषा से सावधान रहें, क्योंकि शब्दकोश मूल भाषा से लेकर वर्तमान उपयोग तक के शब्दों और वाक्यांशों का अर्थ देते हैं।

समय के साथ शब्दों और वाक्यांशों के अर्थ बदलते रहते हैं। साथ ही, कई ग्रीक शब्दों का एक शब्द में अनुवाद किया जा सकता है, जो मूल अर्थ को विकृत कर सकता है।

क्या आप ईश्वर को अपने पवित्र शब्द, बाइबिल के अध्ययन में आपका मार्गदर्शन करने की अनुमति दे सकते हैं।

आईबीकेआई गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उनके संपूर्ण पाठों को डाउनलोड करने और पुन: प्रस्तुत करने की अनुमति देता है। बेझिझक साझा करें लेकिन किताबें या पाठ बेचें, बदलें या शुल्क न लें।

रैंडोल्फ डन, राष्ट्रपति

संपर्क करें:info.IBKI.english@gmail.com
वेबसाइट:thebiblewayonline.com/IBKI-English.html

निर्णय लेने का समय

हमें इस बात की चिंता क्यों होनी चाहिए कि पृथ्वी पर हमारे जीवन के बाद क्या होगा? आख़िरकार, हम सोच सकते हैं, अभी भी बहुत समय बाकी है।

मनुष्य के पास इस बारे में कई राय हैं कि जब कोई जीवित भूमि छोड़ देता है तो आत्मा (या आत्मा) का क्या होगा जैसे:

- मृत्यु के बाद "परलोक" में जीवन का अस्तित्व नहीं रहता है।
- ईश्वर की छवि में बनाया गया प्रत्येक प्राणी, अपने निर्माता, ईश्वर के साथ अनंत काल तक जीवित रहेगा।
- परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन है और शैतान - शैतान के साथ अनन्त मृत्यु है।

इस विषय पर यह बाइबल अध्ययन तीन भागों में विभाजित है:

1. अनन्त जीवन के लिए जीना (ईश्वर के साथ)।
2. अनन्त मृत्यु के लिए जीना (नरक में)।
3. ईश्वर की ओर से निमंत्रण. नोट: बेहतर जोर देने के लिए शब्द और वाक्यांश को रेखांकित किया गया है।

क्या आप परवर्ती जीवन (स्वर्ग) के लिए जी रहे हैं?

जो लोग मानते हैं कि निर्माता और धर्मी के साथ शाश्वत जीवन है या शैतान के साथ शाश्वत मृत्यु है और अधर्मी भगवान के सिद्धांतों, उपदेशों और आदेशों की कुछ व्याख्या का पालन करने का प्रयास करते हैं। स्वीकार्य होने के लिए ईश्वर को एक व्यक्ति का "मसीह में" होना आवश्यक है। "उसमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात उसके अनुग्रह के धन के अनुसार हमारे अपराधों की क्षमा मिलती है" (इफिसियों 1:7)। “इसलिये यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुरानी चीज़ें ख़त्म हो चुकी हैं; देखो, सब वस्तुएं नई हो गई हैं” (2 कुरिन्थियों 5:17)।

इन लोगों की जीवनशैली में शामिल होंगे:

1. ईश्वर से प्रेम करना, सम्मान करना, महिमा करना, स्तुति करना और उसकी पूजा करना जैसा कि उसने अपने वचन में निर्देशित किया है
2. सभी के लिए सर्वोत्तम की कामना करना, यहां तक कि अपने दुश्मनों के लिए भी।
3. विधवाओं, अनाथों और विशेषकर ईसाइयों की ज़रूरतों को पूरा करना।

चूँकि मुक्ति, हमारे पापों की क्षमा, मसीह में है, हमारी प्राथमिक चिंता यह सीखना चाहिए कि मसीह हमें कैसे जीना चाहता है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि उसकी आज्ञाएँ, शिक्षाएँ और उदाहरण उसके वचन में पाए जाते हैं। एक शिक्षा निम्नलिखित दृष्टांत में है:

> एक अवसर पर कानून का एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए खड़ा हुआ। “गुरु,” उसने पूछा, “अनन्त जीवन पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?” "कानून में क्या लिखा है?" उसने जवाब दिया। "आप इसे कैसे पढ़ते हैं?" उसने उत्तर दिया: "'अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे हृदय से, अपनी सारी आत्मा से, अपनी सारी शक्ति से और अपनी सारी बुद्धि से प्रेम करो'; और, 'अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।'" "आपने सही उत्तर दिया है," यीशु उत्तर दिया. "ऐसा करो और तुम जीवित रहोगे।" लेकिन वह खुद को सही ठहराना चाहता था, इसलिए उसने यीशु से पूछा, "और मेरा पड़ोसी कौन है" (लूका 10:25-29)?

"अच्छे सामरी" का दृष्टांत बताने के बाद, यीशु ने फरीसी को अपने प्रश्न का उत्तर देने की अनुमति दी। "कानून के विशेषज्ञ ने उत्तर दिया, 'जिसने उस पर दया की'" (लूका 10:37)। यीशु ने उससे कहा कि वह जो करना जानता है वह करे, जो था अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।

हमें यह भी कहा गया है कि "परमेश्वर के प्रिय बच्चों के समान बनो और प्रेम का जीवन जियो, जैसे मसीह ने हमसे प्रेम किया और अपने आप को हमारे लिए परमेश्वर को सुगन्धित भेंट और बलिदान के रूप में दे दिया" (इफिसियों 5:1- 2) और "यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो जो मैं आज्ञा देता हूं उसका पालन करोगे" (यूहन्ना 14:15)।

मसीह में उन लोगों के लिए कई निर्देश हैं जिनका पालन करके वे परमेश्वर का अनुकरणकर्ता बन सकते हैं और इस प्रकार परमेश्वर के साथ मरणोपरांत जीवन जी सकते हैं।

“संसार या संसार की किसी भी चीज़ से प्रेम मत करो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं। क्योंकि संसार में सब कुछ - पापी मनुष्य की लालसा, उसकी आंखों की अभिलाषा और उसके पास जो कुछ है और जो कुछ वह करता है उस पर घमंड करना पिता से नहीं बल्कि संसार से आता है। संसार और उसकी अभिलाषाएं मिटते जाते हैं, परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सर्वदा जीवित रहेगा” (1 यूहन्ना 2:15-17)।

“इस प्रकार हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के बच्चों से प्रेम करते हैं: परमेश्वर से प्रेम करके और उसकी आज्ञाओं का पालन करके। यह ईश्वर के प्रति प्रेम है: उसकी आज्ञाओं का पालन करना। और उसकी आज्ञाएँ बोझिल नहीं हैं” (1 यूहन्ना 5:2-3)।

मसीह में विश्वास करने वालों के लिए जॉन ने लिखा, “यह वह संदेश है जो हमने उससे सुना है और तुम्हें बताते हैं: ईश्वर प्रकाश है [सभी अच्छी चीजें, खुले में की जाने वाली चीजें - प्रेम, सच्चाई, दया, दयालुता, विश्वासयोग्यता]; उसमें कोई अंधकार नहीं है [सभी बुरी चीजें, गुप्त रूप से की जाने वाली चीजें - नफरत, ईर्ष्या, झूठ, प्रतिशोध, स्वार्थ] बिल्कुल भी नहीं। यदि हम उसके साथ संगति करने का दावा करते हैं, फिर भी अंधकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोलते हैं और सच्चाई पर नहीं चलते हैं। परन्तु

यदि हम ज्योति में चलें, जैसा वह ज्योति में है, तो हम एक दूसरे के साथ सहभागी हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है" (1 यूहन्ना 1:5-7)।

"हम ने जो कुछ देखा और सुना है, वह तुम्हें सुनाते हैं, इसलिये कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो जाओ। और हमारी संगति पिता और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है" (1 यूहन्ना 1:3)।

"यदि हम पाप रहित होने का दावा करते हैं, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं और सत्य हम में नहीं है। यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह विश्वासयोग्य और न्यायी है और हमारे पापों को क्षमा कर देगा और हमें सभी अधर्म से शुद्ध कर देगा। यदि हम दावा करते हैं कि हमने पाप नहीं किया है, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं और उसके वचन का हमारे जीवन में कोई स्थान नहीं है" (1 यूहन्ना 1:8-10)।

"हे प्रियो, हर एक आत्मा की प्रतीति मत करो, परन्तु आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं, क्योंकि जगत में बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता निकल आए हैं। इस प्रकार आप परमेश्वर की आत्मा को पहचान सकते हैं: प्रत्येक आत्मा जो स्वीकार करती है कि यीशु मसीह देह में आया है वह परमेश्वर की ओर से है, परन्तु प्रत्येक आत्मा जो यीशु को स्वीकार नहीं करती है वह परमेश्वर की ओर से नहीं है। यह मसीह-विरोधी की आत्मा है, जिसके बारे में तुम सुन चुके हो कि वह आ रही है और अब भी जगत में है" (1 यूहन्ना 4:1-3)।

"तब हम फिर शिशु न रहेंगे, जो लहरों से उछाले जाते, और शिक्षा की हर बयार से, और मनुष्यों की धूर्तता और कपटपूर्ण षडयंत्रों से इधर-उधर उड़ाए जाते। इसके बजाय, प्यार से सच बोलते हुए, हम हर चीज़ में उसके पास बढ़ेंगे जो सिर है, यानी मसीह। उससे पूरा शरीर, प्रत्येक सहायक स्नायुबंधन द्वारा जुड़ा और एक साथ रखा जाता है, प्यार में बढ़ता है और खुद को बनाता है, क्योंकि प्रत्येक भाग अपना काम करता है। इसलिये मैं तुम से यह कहता हूं, और प्रभु से आग्रह करता हूं, कि तुम अब अन्यजातियों की नाई उनकी व्यर्थ सोच के अनुसार जीवन न बिताओ। उनके हृदयों के कठोर होने के कारण जो अज्ञान उनमें है, उसके कारण उनकी समझ अंधकारमय हो गई है और वे परमेश्वर के जीवन से अलग हो गए हैं। उन्होंने सारी संवेदनशीलता खोकर अपने आप को कामुकता के हवाले कर दिया है और हर तरह की अशुद्धता में लिप्त हो गए हैं।

- "इसलिये, परमेश्वर के चुने हुए, पवित्र और प्रिय लोगों के समान, करुणा, दया, नम्रता, नम्रता और धैर्य धारण करो" (कुलुस्सियों 3:12)।
- "एक दूसरे के साथ रहो और एक दूसरे के खिलाफ जो भी शिकायतें हों उन्हें माफ कर दो। क्षमा करें, क्योंकि ईश्वर आपको माफ़ करता है।" (कुलुस्सियों 3:13)
    - "इन सब से ऊपर प्रेम को धारण करो, जो हर चीज़ को पूर्ण सामंजस्य में एक साथ बांधता है। (कुलुस्सियों 3:14)
    - "मसीह की शांति आपके दिलों में राज करे, क्योंकि एक शरीर के सदस्यों के रूप में आपको शांति के लिए बुलाया गया है। और आभारी रहें. जब आप एक-दूसरे को सिखाते और चेतावनी देते हैं तो मसीह के वचन को अपने अंदर प्रचुरता से बसने दें। (कुलुस्सियों 3:15-16)
    - "तुम जो कुछ भी करते हो, चाहे वचन से या काम से, सब कुछ प्रभु यीशु के नाम पर करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो" (कुलुस्सियों 3:17)
    - "इसी कारण से, अपने विश्वास में अच्छाई जोड़ने का हर संभव प्रयास करो; और अच्छाई के लिए, ज्ञान; और ज्ञान के लिए, आत्मसंयम; और आत्मसंयम, दृढ़ता; और धीरज, भक्ति, और भक्ति, भाईचारे की भलाई; और भाईचारे की दया, प्रेम। क्योंकि यदि तुम में ये गुण बढ़ती मात्रा में हैं, तो वे तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में अप्रभावी और अनुत्पादक होने से बचाएंगे" (2 पतरस 1:5-8)।
    - "आखिरी समय में ऐसे ठट्ठा करनेवाले होंगे जो अपनी अधर्मी इच्छाओं के पीछे चलेंगे।" ये वे लोग हैं जो तुम्हें विभाजित करते हैं, जो केवल प्राकृतिक प्रवृत्ति का पालन करते हैं और उनमें आत्मा नहीं है। लेकिन प्रिय मित्रों, आप अपने आप को अपने सबसे पवित्र विश्वास में विकसित करें और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करें। अपने आप को ईश्वर के प्रेम में बनाए रखें क्योंकि आप हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की प्रतीक्षा करते हैं जो आपको अनन्त जीवन प्रदान करेगी। उन लोगों

पर दया करो जो संदेह करते हैं; दूसरों को आग से छीनो और उन्हें बचाओ; दूसरों पर दया दिखाओ, भय के साथ-साथ भ्रष्ट शरीर के दाग वाले कपड़ों से भी घृणा करो (यहूदा 17-23)।

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि जो लोग मसीह में हैं उन्हें अवश्य बढ़ना चाहिए। इसलिए, महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि "मैं कैसे बढ़ूँ?" ताकि मेरा जीवन ईश्वर की छवि का दर्पण बन जाये। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ती है मैं ईश्वर के समान बनने के लिए क्या कर सकता हूं और उसके सार और प्रेम, सत्य और न्याय की प्रकृति की स्पष्ट समानता को लगातार प्रतिबिंबित करता रहता हूं?

<u>प्रशन</u>

1. अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता ईश्वर में प्रेम और विश्वास है - ईश्वर प्रेम है।
   टी. ___ एफ. ___
2. ईश्वर जो प्रेम चाहता है वह वह करना है जो किसी के अनन्त जीवन के लिए सर्वोत्तम हो।
   टी. ___ एफ. ___
3. जो मसीह में है उसे क्या शुद्ध करता रहता है
   एक। ____ पूरी तरह से और पूरी तरह से उसकी आज्ञाओं का पालन करना
   बी। ____ अन्य ईसाइयों के साथ मिलकर एकत्रित होना
   सी। ____ मसीह का खून
   घ.____ मसीह में उन लोगों के पाप हैं क्योंकि सभी अतीत, वर्तमान और भविष्य के पापों को पूरी तरह से माफ कर दिया गया है।
4. हर चीज़ को एकता में बाँधने के लिए क्या आवश्यक है?
   एक। ___ प्यार
   बी। ___ सत्यता
   सी। ___ शांति
5. परमेश्वर के लोगों को अप्रभावी और अनुत्पादक होने से क्या रोकता है?
   एक। ___ ज्ञान और दृढ़ता
   बी। ___ आत्म - संयम
   सी। ___ प्यार
   डी। ___ ईश्वरभक्ति
   ई ___ उपरोक्त सभी

क्या आप मृत्यु के बाद (नरक) के लिए जी रहे हैं?

पाठ 2

जो लोग न तो जीवन के बाद और न ही मृत्यु के बाद में विश्वास करते हैं या मानते हैं कि हर कोई भगवान के साथ अनंत काल तक जीवित रहेगा, वे इस दर्शन के अनुसार जीते हैं:

1. खाओ, पीओ, और आनंद मनाओ क्योंकि कल तुम मर सकते हो।
2. जो मेरा है वो मेरा है. जो तुम्हारा है मैं चाहूँगा तो ले लूँगा।
3. जो जीवन में सबसे अधिक हासिल करता है वह जीतता है।
4. मैं किसी से नहीं डरता, भगवान या इंसान से नहीं। मैं वह हूं जिसके पास शक्ति है।

परिणामस्वरूप, वे अपनी इच्छाओं के आगे झुककर आदम और हव्वा के कार्य का अनुसरण करते हैं और ईश्वर की इच्छा के बजाय वही करते हैं जो वे करना चाहते हैं। उत्पत्ति 2:16-17 में परमेश्वर ने उनसे कहा, "तुम बाटिका के सब वृक्षों का फल खा सकते हो; परन्तु भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तुम कभी न खाना; क्योंकि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन तुम भी उसका फल खाओगे।" निश्चित रूप से मरो।" लेकिन उत्पत्ति 3:4-6, 13 में हम पढ़ते हैं “तब साँप ने स्त्री से कहा, 'तू निश्चय न मरेगी। क्योंकि परमेश्वर जानता है, कि जिस दिन तुम उसमें से खाओगे उसी दिन तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी,

और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।' सो जब स्त्री ने देखा, कि उस का वृक्ष खाने के लिये अच्छा, और देखने में मनभाऊ, और बुद्धिमान बनाने के लिये चाहने योग्य भी है, तो उस ने उसका फल तोड़कर खाया। उसने अपने साथ अपने पति को भी दिया और उसने खाया।" ... "और यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा,
याकूब ने इसे याकूब 1:12-15 में इस प्रकार कहा है "धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि जब वह स्वीकृत हो जाएगा, तो उसे जीवन का वह मुकुट मिलेगा, जिसकी प्रतिज्ञा यहोवा ने अपने प्रेम रखनेवालों से की है। जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि परमेश्वर ने मेरी परीक्षा की है; क्योंकि न तो बुराई से परमेश्वर की परीक्षा होती है, और न वह आप ही किसी की परीक्षा करता है। परन्तु हर कोई अपनी ही अभिलाषाओं में बहकर, परीक्षा में पड़ जाता है। फिर जब इच्छा गर्भवती हो जाती है, तो पाप को जन्म देती है; और पाप जब बढ़ जाता है, तो मृत्यु को जन्म देता है।"
आदम और हव्वा की अवज्ञा से, उनकी इच्छाओं के आगे झुककर, पाप ने दुनिया में प्रवेश किया। "इसलिये जैसा एक मनुष्य के पाप के द्वारा जगत में प्रवेश हुआ, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, इसलिये कि सब ने पाप किया" (रोमियों 5:12)।
परन्तु आशा है "जैसे तू ने अपने अंगों को अशुद्धता, और अधर्म के दास के रूप में सौंप दिया जो और भी अधिक अधर्म की ओर ले जाता है, वैसे ही अब अपने अंगों को पवित्रता के लिये धार्मिकता के दास के रूप में सौंप दो। क्योंकि जब तुम पाप के दास थे, तो धर्म के विषय में स्वतंत्र थे। जिन बातों से अब तू लज्जित होता है उन से तुझे क्या फल मिला? क्योंकि उन चीज़ों का अन्त मृत्यु है। परन्तु अब पाप से मुक्त होकर, और परमेश्वर के दास बन कर, तुम्हें पवित्रता का फल, और अंत, अनन्त जीवन प्राप्त हुआ है। क्योंकि पाप की मजदूरी मृत्यु है" (रोमियों 6:19-23)।
निम्नलिखित उन चीज़ों के कई संदर्भ हैं जिन्हें ईश्वर पाप, अधर्म, विद्रोह और अवज्ञा मानता है। जो लोग ऐसा अभ्यास करते हैं वे मृत्यु के बाद के लिए जीते हैं।
उत्पत्ति 6:5-6"और परमेश्वर ने देखा, कि मनुष्यों की दुष्टता पृथ्वी पर बढ़ गई है, और उनके मन के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है वह निरन्तर बुरा ही होता है। और यहोवा को इस बात से पछतावा हुआ कि उस ने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया, और उसके मन में उदासी हुई।
उत्पत्ति 13:13"परन्तु सदोम के मनुष्य यहोवा की दृष्टि में अत्यन्त दुष्ट और पापी थे।"
उत्पत्ति 19:4-5"उन्होंने लूत को पुकारकर कहा, "वे मनुष्य जो आज रात तुम्हारे पास आए थे वे कहाँ हैं? उन्हें हमारे पास बाहर ले आओ, कि हम उनके साथ सम्भोग करें।"
इफिसियों 5:5"इसके लिए आप निश्चित हो सकते हैं: किसी भी अनैतिक, अशुद्ध या लालची व्यक्ति - ऐसा व्यक्ति एक मूर्तिपूजक है - के पास मसीह और भगवान के राज्य में कोई विरासत नहीं है।"
इब्रानियों 10:26-31"क्योंकि सत्य की पहिचान प्राप्त करने के बाद यदि हम जान बूझकर पाप करते हैं, तो पापों के लिये कोई बलिदान शेष नहीं रह जाता, परन्तु न्याय की एक भयानक बाट जोहता है, और भड़क उठता है, जो विरोधियों को भस्म कर देगा। जिस किसी ने मूसा की व्यवस्था को अस्वीकार किया है वह दो या तीन गवाहों की गवाही पर बिना दया के मर जाता है। आप क्या सोचते हैं, क्या वह और भी अधिक बुरे दण्ड के योग्य समझा जाएगा जिसने परमेश्वर के पुत्र को पैरों से रौंदा, वाचा के खून को जिसके द्वारा वह पवित्र किया गया था, सामान्य बात समझा, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया? क्योंकि हम उसे जानते हैं, जिस ने कहा, पलटा मेरा है, मैं ही बदला लूंगा, प्रभु कहते हैं। और फिर, 'यहोवा अपने लोगों का न्याय करेगा।' जीवित परमेश्वर के हाथों में पड़ना एक भयानक बात है।"
याकूब 1:19-21"इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयो, हर एक मनुष्य सुनने में तत्पर, बोलने में धीरा, और क्रोध में धीमा हो; क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर की धार्मिकता उत्पन्न नहीं करता। इसलिये, सारी गंदगी और दुष्टता की बाढ़ को दूर करो, और नम्रता से उस वचन को ग्रहण करो, जो तुम्हारे प्राणों को बचाने में समर्थ है।"
2 पतरस 2:4-11"क्योंकि यदि परमेश्वर ने पाप करने वाले स्वर्गदूतों को न छोड़ा, वरन नरक में डाल दिया, और न्याय के लिये अन्धकार की जंजीरों में डाल दिया; और प्राचीन संसार को नहीं छोड़ा, परन्तु आठ लोगों में से एक नूह को बचाया, जो धर्म का उपदेशक था, और दुष्टों के संसार में जलप्रलय लाया; और सदोम और अमोरा के नगरों को राख में बदल दिया, उन्हें विनाश की सजा दी, और उन्हें उन लोगों के लिए एक उदाहरण बना दिया जो बाद में अधर्मी जीवन बिताएंगे; और धर्मी लूत को, जो दुष्टों के गन्दे चालचलन के कारण सताया हुआ था, छुड़ाया (क्योंकि वह धर्मी उनके बीच में रहकर उनके अधर्म के कामों को देखकर और सुनकर प्रति दिन अपने धर्मी प्राण को यातना देता था) - तब प्रभु जानता है कि उसे कैसे छुड़ाया जाए ईश्वरीय रूप से प्रलोभनों से बाहर निकलें और न्याय के दिन के लिए अन्यायी को दण्ड के अधीन सुरक्षित रखें, और विशेषकर वे जो अशुद्धता की अभिलाषा में शरीर के अनुसार चलते हैं और अधिकार का तिरस्कार करते हैं। वे अभिमानी और स्वेच्छाचारी हैं।

वे प्रतिष्ठित लोगों के बारे में बुराई करने से नहीं डरते, जबकि स्वर्गदूत, जो शक्ति और शक्ति में अधिक हैं, प्रभु के सामने उनके खिलाफ निंदात्मक आरोप नहीं लगाते हैं।

2 पतरस 2:12-17"परन्तु ये, पकड़े जाने और नष्ट किए जाने के लिए बनाए गए प्राकृतिक पशु पशुओं की तरह, उन बातों की बुराई करते हैं जिन्हें वे नहीं समझते हैं, और अपने स्वयं के भ्रष्टाचार में पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे, और अधर्म की मजदूरी प्राप्त करेंगे, जैसा कि उन लोगों को मिलता है जो मनोरंजन करना पसंद करते हैं दिन के समय में। वे धब्बे और दोष हैं, वे आपके साथ दावत करते समय अपने स्वयं के धोखे में लगे रहते हैं, उनकी आंखें व्यभिचार से भरी होती हैं और जो पाप से नहीं रुकती हैं, अस्थिर आत्माओं को लुभाती हैं। उनका मन लालची कामों में प्रशिक्षित है, और वे शापित बच्चे हैं। वे सीधा मार्ग छोड़कर भटक गए हैं, और बओर के पुत्र बिलाम की सी चाल चले हैं, जिस ने अधर्म की मजदूरी को प्रिय जाना; परन्तु उसके अधर्म के कारण उसे डांटा गया; एक गूंगे गधे ने मनुष्य की सी बोली बोलकर भविष्यद्वक्ता के पागलपन को रोक दिया। ये बिना जल के कुएँ हैं, तूफ़ान से उड़े हुए बादल हैं,

2 थिस्सलुनिकियों 1:3-10"हे भाइयो, हम तुम्हारे लिये सदैव परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जैसा उचित है, क्योंकि तुम्हारा विश्वास बहुत ही बढ़ गया है, और तुम सब का प्रेम एक दूसरे के प्रति बहुत बढ़ गया है, यहां तक कि हम परमेश्वर की कलीसियाओं में तुम पर घमण्ड करते हैं आपके द्वारा सहे जाने वाले सभी उत्पीड़न और क्लेशों में आपके धैर्य और विश्वास के लिए, *जो है*परमेश्वर के धर्मी न्याय का प्रत्यक्ष प्रमाण, कि तुम परमेश्वर के राज्य के योग्य ठहरो, जिसके लिये तुम दुख भी उठाते हो; तब से*यह है*परमेश्वर की ओर से यह धर्म की बात है, कि जो तुझे सताते हैं उन को क्लेश से बदला दे, और*देना*जब प्रभु यीशु अपने पराक्रमी स्वर्गदूतों के साथ स्वर्ग से प्रगट होंगे, और धधकती हुई आग में उन लोगों से बदला लेंगे जो परमेश्वर को नहीं जानते, और जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार का पालन नहीं करते, तब तुम जो व्याकुल हो, हमारे साथ विश्राम करो। इन्हें प्रभु की उपस्थिति से और उसकी शक्ति की महिमा से अनन्त विनाश का दण्ड दिया जाएगा, जब वह उस दिन अपने पवित्र लोगों में महिमा पाने और सब विश्वास करने वालों के बीच प्रशंसा पाने के लिए आता है, क्योंकि तुम्हारे बीच हमारी गवाही पर विश्वास किया गया था।

प्रकाशितवाक्य 20:10शैतान, जिसने उन्हें धोखा दिया था, आग और गंधक की झील में डाल दिया गया जहां जानवर और झूठा भविष्यवक्ता हैं। और वे दिन-रात युगानुयुग यातना सहते रहेंगे।"

प्रकाशितवाक्य 21:8"परन्तु कायरों, अविश्वासियों, घृणितों, हत्यारों, व्यभिचारियों, जादूगरों, मूर्तिपूजकों और सब झूठों का भाग उस झील में होगा जो आग और गन्धक से जलती रहती है, जो दूसरी मृत्यु है।"

1 यूहन्ना 1:10"यदि हम कहें कि हम ने पाप नहीं किया, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हम में नहीं है।"

अब मृत्यु के बाद की प्रकृति के बारे में बहुत बहस हो सकती है। क्या यह शाब्दिक है या आलंकारिक, कभी न ख़त्म होने वाली पीड़ा या विनाश, इत्यादि।

मृत्यु के बाद की प्रकृति के बावजूद, यह इतना भयानक और इतना अंतिम होगा कि कोई भी सही दिमाग वाला व्यक्ति वहां भेजा जाना नहीं चाहेगा।

शाश्वत निवासी होंगे:

कोण जिन्होंने विद्रोह किया	शैतान (शैतान)
जानवर	झूठा पैगंबर
कायर (डरपोक)	नास्तिक
घिनौना हत्यारे	
जादूगर	मूर्तिपूजक
झूठे	यौन रूप से अनैतिक (व्यभिचारी)

अच्छी खबर यह है कि मृतकों की भूमि में प्रवेश करने के लिए मृतकों की भूमि को छोड़ना आवश्यक नहीं है। व्यवस्थाविवरण 30:15-20 में इस्राएल के लिए परमेश्वर के निमंत्रण पर ध्यान दें: "देख, मैं ने आज तेरे साम्हने जीवन और भलाई, और मृत्यु और बुराई रखी है, और मैं आज तुझे आज्ञा देता हूं, कि तू अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखे, और उसके मार्गों पर चले, और और उसकी आज्ञाओं, विधियों, और नियमोंको मानते रहो, जिस से तुम जीवित रहो, और बढ़ो; और जिस देश के अधिक्कारनी होने को तुम जाने पर हो उस में तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें आशीष देगा। परन्तु यदि तेरा मन फिर जाए, और न सुने, तुम आकर्षित होते हो, और पराये देवताओं को दण्डवत् करते और उनकी उपासना करते हो, मैं आज तुम से कहता हूं, कि तुम निश्चय नाश हो जाओगे; जिस देश में जाने और अपने अधिक्कारनी करने को तुम यरदन पार हो जाते हो, उस में तुम बहुत दिनों तक जीवित न रहोगे। मैं आकाश और पृथ्वी को एक समान कहता हूं आज तुम्हारे विरुद्ध गवाह हैं, कि मैं ने तुम्हारे साम्हने जीवन और मृत्यु

को रखा है। आशीर्वाद और शाप; इसलिये जीवन को ही अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें; कि तुम अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानो, और उस से लिपटे रहो, क्योंकि वही तुम्हारा जीवन और तुम्हारी आयु की आयु है; और जिस देश को देने की शपथ यहोवा ने तुम्हारे पूर्वजों इब्राहीम, इसहाक, और याकूब से खाई थी, उस में तुम बसे रहो। ईश्वर की इच्छा है कि जो लोग उसकी छवि (उसकी प्रकृति) में बनाए गए हैं, वे उसके साथ मेल-मिलाप करें और मसीह की मृत्यु में दफनाने के तुरंत बाद उसके साथ घनिष्ठ संबंध रखें। "प्रभु अपने वादे के प्रति धीमे नहीं हैं, जैसा कि कुछ लोग धीमेपन को समझते हैं, लेकिन आपके साथ धैर्य रख रहे हैं। वह नहीं चाहता कि कोई नाश हो, बल्कि वह चाहता है कि हर कोई पश्चाताप करे" 1 (2 पतरस 3:9)। "आप देखिए, बिल्कुल सही समय पर, जब हम अभी भी शक्तिहीन थे, मसीह अधर्मियों के लिए मर गया। .... परन्तु परमेश्वर इस प्रकार हमारे प्रति अपना प्रेम प्रदर्शित करता है: जब हम पापी ही थे, मसीह हमारे लिये मर गया। चूँकि अब हम उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे हैं, तो हम उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से और क्यों न बचेंगे!" (रोमियों 5:6-10)

[1]महज़ अहसास नहीं; इसमें मनोदशाओं और भावनाओं की अनिश्चितता नहीं है। यह आत्मा के मौसम में साधारण परिवर्तन नहीं है। यह बुद्धि के फोकस का एक विशिष्ट परिवर्तन है; यह अपने साथ इच्छाशक्ति की गति लेकर चलता है; संक्षेप में, यह मनुष्य के अस्तित्व के मूल में एक क्रांति है" (द पल्पिट कमेंटरी, खंड 18, पृष्ठ 66, रिफ्लेक्शन्स #515 अल मैक्सी, 3 जनवरी 2012 में उद्धृत)

प्रश्न

1. आदम और हव्वा के पाप क्या थे?
   a. ___ अगर वर्जित फल खाना
   b. ___ भगवान से छिपाना
   c. ___अपनी इच्छाओं के आगे झुककर ईश्वर की अवज्ञा करना
2. जब कोई पाप करता है
   a. ___प्रलोभित
   b. ___ प्रलोभन की ओर आकर्षित
   c. ___ प्रलोभन के आगे झुकना
3. पाप का परिणाम मृत्यु है?
   टी. ____ एफ. ___
4. स्वर्ग में किसका भाग नहीं है?
   एक। ___ अनैतिक
   बी। ___ लालची/मूर्तिपूजक
   सी। ___ अशुद्ध
   डी। ___ उपरोक्त सभी
5. परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को क्षमा कर दिया, बख्शा, जिन्होंने पाप किया और उसके विरुद्ध विद्रोह किया।
   टी. ___ एफ. ___
6. मृत्यु के बाद के निवासी हैं:
   एक। ___ देवदूत जिन्होंने विद्रोह किया
   बी। ___शैतान (शैतान)
   सी। ___झूठे
   डी। ___ यौन रूप से अनैतिक (व्यभिचारी)
   इ। ___ कायर (भयभीत)
   एफ। ___ अविश्वासी
   जी। ___ यहूदी
   एच। ___ उपरोक्त सभी
   मैं। ___ जी को छोड़कर उपरोक्त सभी।

भगवान के साथ मेरे रिश्ते की आत्म-परीक्षा

अपने आप को जाँचो कि तुम विश्वास में हो या नहीं। क्या तुम आप नहीं जानते, कि यीशु मसीह तुम में है? 2 कुरिन्थियों 13:5

यह एक आत्म-परीक्षा है इसलिए उत्तर नहीं दिए जा सकते। हालाँकि, यदि प्रपत्र मुद्रित है तो उत्तर के लिए स्थान प्रदान किया गया है।

1 क्या आप विश्वास करते हैं?

a. **यीशु मसीह परमेश्वर के पुत्र हैं?**हां __ नहीं ___ · परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। [यूहन्ना 3:16] · ...मसीह, जीवित परमेश्वर का पुत्र। [मत्ती 16:16बी] · फिर फिलिप ने पवित्रशास्त्र के उसी अंश से शुरुआत की और उसे यीशु के बारे में अच्छी खबर सुनाई। अब जब वे सड़क पर चले, तो वे कुछ पानी के पास पहुँचे। और खोजे ने कहा, "देखो, यहाँ पानी है। मुझे बपतिस्मा लेने से क्या रोकता है?" तब फिलिप्पुस ने कहा, "यदि तू अपने सम्पूर्ण मन से विश्वास करता है, तो तू विश्वास कर सकता है।" [अधिनियम 8:35-37]

बी। तुम पापी हो?हां एस __ नहीं __ · "... सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं," [रोमियों 3:23] · "यदि हम कहें कि हम में कोई पाप नहीं, तो हम अपने आप को धोखा देते हैं, और सत्य हम में नहीं है" 1 यूहन्ना 1:8-9]

सी। यीशु मानव जाति के पापों के लिए मरने आये थे? हाँ __ नहीं __ · … मनुष्य का पुत्र सेवा कराने नहीं, बल्कि सेवा करने और बहुतों की छुड़ौती के लिए अपना प्राण देने आया है। [मैथ्यू 20:28]

डी। यीशु आपके लिए मरे? हाँ __ नहीं __ · लेकिन हम यीशु को देखते हैं, जो मृत्यु की पीड़ा सहने के लिए स्वर्गदूतों से थोड़ा कमतर बनाया गया था, जिसे महिमा और सम्मान का ताज पहनाया गया था, ताकि वह, भगवान की कृपा से, हर किसी के लिए मौत का स्वाद चख सके। [इब्रानियों 2:9]

2. क्या आपके पास है?

एक। अपने पापों से पश्चाताप किया? हाँ __ नहीं __ · मैं तुमसे कहता हूँ, नहीं; परन्तु जब तक तुम मन न फिराओगे, तुम सब वैसे ही नष्ट हो जाओगे। [लूका 13:3] · सचमुच, परमेश्वर ने अज्ञानता के इन समयों को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन अब हर जगह सभी मनुष्यों को पश्चाताप करने का आदेश देता है। [अधिनियम 17:30]

b. **मसीह में अपना विश्वास कबूल किया?**हाँ __ नहीं __ · इसलिये जो कोई मनुष्यों के साम्हने मुझे मान लेगा, मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के साम्हने उसे मान लूंगा। परन्तु जो मनुष्यों के साम्हने मेरा इन्कार करता है, मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के साम्हने उसका इन्कार करूंगा। [मैथ्यू 10:32-33]

c. **पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लिया गया?**हां नहीं __

· तब पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे और तुम्हारे लिये है बालकों, और सब दूर दूर के लोगोंको, जितने को हमारा परमेश्वर यहोवा बुलाएगा।" [अधिनियम 2:38-39]

3. क्या आप?

एक। किसी भी निरंतरता के साथ बाइबल का अध्ययन करें? हाँ __ नहीं __ · अपने आप को परमेश्वर का स्वीकृत, एक ऐसा कार्यकर्ता प्रस्तुत करने के लिए प्रयत्नशील रहो जिसे लज्जित होने की आवश्यकता नहीं है, जो सत्य के वचन को सही ढंग से बांटता है। [2 तीमुथियुस 2:15]

बी। किसी निरंतरता के साथ प्रार्थना करें? हाँ __ नहीं __ · सदैव आनन्दित रहो, निरन्तर प्रार्थना करो, हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। [1 थिस्सलुनिकियों 5:16-18]

d. विश्वास करें कि बाइबल परमेश्वर का आधिकारिक वचन है?

हाँ __ नहीं __ · सभी धर्मग्रंथ ईश्वर की प्रेरणा से दिए गए हैं, और उपदेश, फटकार, सुधार, धार्मिकता की शिक्षा के लिए लाभदायक हैं, ताकि ईश्वर का आदमी पूर्ण हो, और हर अच्छे काम के लिए पूरी तरह तैयार हो। [2 तीमुथियुस 3:16-17]

e. क्या विश्वास है कि जब यीशु आएंगे तो बाइबल हमारा न्याय करेगी?

हां नहीं __

· और यदि कोई मेरी बातें सुनकर विश्वास न करे, तो मैं उसे दोषी नहीं ठहराता; क्योंकि मैं जगत का न्याय करने नहीं, परन्तु जगत का उद्धार करने आया हूं। जो मुझे अस्वीकार करता है, और मेरे वचन ग्रहण नहीं करता, उसके पास उसे दोषी ठहरानेवाला है - जो वचन मैं ने कहा है वही अंतिम दिन में उसे दोषी ठहराएगा। क्योंकि मैं ने अपने अधिकार से कुछ नहीं कहा; परन्तु मेरे भेजनेवाले पिता ने मुझे आज्ञा दी, कि मैं क्या कहूं, और क्या बोलूं। [यूहन्ना 12:47-49]

f. अवसर और आवश्यकता मौजूद होने पर जरूरतमंदों का ख्याल रखें?हाँ ___ नहीं ___ · "जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और उसके साथ सभी पवित्र स्वर्गदूत आएंगे, तब वह अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा। सभी राष्ट्र उसके सामने इकट्ठे होंगे, और वह उन्हें अलग कर देगा दूसरे से, जैसे चरवाहा अपनी भेड़ों को बकरियों से अलग कर लेता है। और वह भेड़ों को अपनी दाहिनी ओर, परन्तु बकरियों को बायीं ओर खड़ा करेगा। तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा, हे मेरे धन्य लोगों, आओ हे पिता, उस राज्य का अधिकारी हो जो जगत की उत्पत्ति से तेरे लिये तैयार किया गया है; क्योंकि मैं भूखा था, और तू ने मुझे भोजन दिया; मैं प्यासा था, और तू ने मुझे पानी पिलाया; मैं परदेशी था, और तू ने मुझे अपने भीतर ले लिया; मैं नंगा था, और तू ने कपड़े पहिनाए मैं; मैं बीमार था और तुम मेरे पास आए; मैं बन्दीगृह में था और तुम मेरे पास आए।' [मैथ्यू 25:31-36]

g. जो खो गए हैं उनमें कोई दिलचस्पी दिखाएं?हां नहीं __

· "सच्ची दाखलता मैं हूं, और मेरा पिता दाखलता का संरक्षक है। मुझ में जो भी शाखा नहीं फलती, वह काट देता है; और जो फलती है, वह उसे छांटता है, कि उस में और अधिक फल लगे। तुम तो पहले से ही शुद्ध हो क्योंकि उस वचन के विषय में जो मैं ने तुम से कहा है। [यूहन्ना 15:1-3]

h. जैसा देना चाहिए वैसा दो?हाँ __ नहीं __ · सप्ताह के पहले दिन आप में से हर एक को कुछ न कुछ अलग रखना चाहिए, ताकि वह समृद्ध हो सके। [1 कुरिन्थियों 16:2]

i. क्या आप चर्च से यीशु की तरह प्यार करते हैं?हाँ __ नहीं __ · पतियों, अपनी पत्नियों से प्रेम करो, जैसे मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम किया और अपने आप को उसके लिए दे दिया, ताकि वह उसे वचन के द्वारा जल से धोकर पवित्र और शुद्ध कर सके, कि वह उसे एक महिमामयी वस्तु के रूप में अपने पास प्रस्तुत कर सके। कलीसिया में दाग या झुरझुरी या ऐसी कोई वस्तु न हो, परन्तु वह पवित्र और निष्कलंक हो। [इफिसियों 5:25-27]

4. यदि आपको इसी क्षण मर जाना चाहिए, तो क्या आपको लगता है कि आप मर जायेंगे?

खो गया ___ बचाया गया ___

यदि आपकी प्रतिक्रिया खो गई है या यदि आपकी स्थिति के बारे में संदेह है तो: · अपने आप को धो लें, अपने आप को साफ कर लें; अपने बुरे कामों को मेरी आंखों के साम्हने से दूर करो। बुराई करना बंद करो [यशायाह 1:16] · परमेश्वर के निकट

आओ और वह तुम्हारे निकट आएगा। हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दोहरे मनवालों, अपने मन को शुद्ध करो। [जेम्स 4:8] · इसलिए मन फिराओ और परिवर्तित हो जाओ, कि तुम्हारे पाप मिटा दिए जाएं, [प्रेरित 3:19] · मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; और तुम पवित्र आत्मा का उपहार पाओगे। [अधिनियम 2:38]

अब निर्णय का समय आ गया है

सुनना

- लगन से अध्ययन करें और ईसा मसीह ने जो सिखाया, उसे पढ़ें क्योंकि वे जीवन के शब्द हैं।

समझना

- सभी मनुष्य पापी हैं जिन्होंने परमेश्वर के धर्मी मार्गों और आदेशों का उल्लंघन किया है
- सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार नहीं जी रहे हैं
- किसी के पाप का परिणाम उसकी अनन्त मृत्यु होगा
- ईश्वर के साथ अनन्त जीवन पाने के लिए व्यक्ति को क्षमा किया जाना चाहिए
- मसीह ही किसी के लिए उसके सभी पापों को क्षमा करने का एकमात्र तरीका है

विश्वास करना

- यीशुईश्वर था और है
- वह सीमैं नाज़रेथ के यीशु के रूप में मानव शरीर में पृथ्वी पर आया
- वहपुरुषों के बीच रहते थे
- उन्होंने क्रूस पर चढ़कर स्वेच्छा से मेरे पापों के लिए पूर्ण बलिदान के रूप में अपना पापरहित भौतिक जीवन दे दिया
- वहदफनाया गया
- परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन कब्र से उठा लिया
- वहउनके पुनरुत्थान के बाद सैकड़ों लोग प्रकट हुए
- वहपिता के साथ रहने के लिए वापस स्वर्ग पर चढ़ गया

मन फिराओ

- पाप और अवज्ञा से विश्वास और आज्ञाकारिता में परिवर्तन

अपराध स्वीकार करना

- अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करें कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

पाना

- अपने पापों को क्षमा करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें

मरना

- अपने पुराने, पापी, सांसारिक जीवन को ख़त्म कर दो

दफन रहें

- गाड़ दोहमारे पापी जीवन को आपने बपतिस्मा की कब्र में जल विसर्जन द्वारा मृत्यु, दफ़नाने और पुनरुत्थान के द्वारा मौत के घाट उतार दिया
  मसीह, ईश्वर को आपको एक नई रचना के रूप में पाप से शुद्ध करके कब्र से उठाने की अनुमति देता है।

पाना

- पवित्र आत्मा एक जमा राशि के रूप में गारंटी देता है कि क्या आने वाला है

बनना

- एक नए ईसाई के रूप में भगवान ने आपको अपने दत्तक बच्चे के रूप में शामिल किया
  अन्य बच्चों को मसीह ने चर्च में स्थापित किया।

रहना

- मसीह और प्रेरित की शिक्षाओं के प्रति दृढ़तापूर्वक और आज्ञाकारी रूप से जीना जारी रखें "मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आपको जो बुलावा मिला है उसके योग्य जीवन जिएं। पूरी तरह विनम्र और सौम्य बनें; सब्र रखो, और प्रेम से एक दूसरे की सह लो। शांति के बंधन के माध्यम से आत्मा की एकता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करें" (इफिसियों 4:1-3)।

और अब आप इंतज़ार क्यों कर रहे हैं? उठो और बपतिस्मा लो, और प्रभु का नाम लेकर अपने पाप धो डालो। [अधिनियम 22:16]। इसलिए, किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश करें जो आपको बपतिस्मा देगा जैसा कि बाइबिल में कहा गया है - दफनाकर। पानी में जाओ, यीशु के अधिकार से जाओ, परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र, और परमेश्वर पवित्र आत्मा के नाम पर पानी से पूरी तरह ढँक जाओ, धो लो; सभी पापों से मुक्त होकर पानी की कब्र से उठाया जाना, शुद्ध और पवित्र होना, भगवान द्वारा एक नए आध्यात्मिक प्राणी के रूप में अपनाया जाना, एक उपहार या जमा के रूप में पवित्र आत्मा प्राप्त करना जो आपके लिए भगवान से हस्तक्षेप करेगा जब आप यीशु के साथ चलना जारी रखेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल ज्ञान संस्थान

रैंडोल्फ डन, अध्यक्ष - रॉबर्टो सैंटियागो, डीन

thebiblewayonline.com

पाठ्यक्रम 1 - भगवान का संदेश सब कुछ यहाँ कैसे आया? वह आदमी जो भगवान था मसीह - भगवान का रहस्य भगवान के बारे में मिथक जीवन से मृत्यु तक - नश्वर मनुष्य नियोजित मोचन सुसमाचार के संदेश **कोर्स 2 - मसीह के प्रति आज्ञाकारिता** ईसा से पहले का समय पृथ्वी पर मसीह का समय ईसा मसीह के बाद का समय पृथ्वी पर समय का अंत निर्णय लेने का समय मृत्यु से क्रूस के माध्यम से जीवन तक क्षमा के बारे में मिथक मसीह में बपतिस्मा **कोर्स 3 - मसीह में एक नया जीवन** एक साम्राज्य जो हाथों से नहीं बना राज्य में नौकर मसीह के प्रथम सिद्धांत विधवाएँ और अन्य जरूरतमंद आध्यात्मिक दूध मुक्त होकर जीना दुख का मिथक पत्रियों से संदेश आत्मा और सत्य से ईश्वर की आराधना करें	**पाठ्यक्रम 4 - मसीह में विकास** नासरत का यीशु मसीह का जीवन मसीह में संयुक्त दर्द के बारे में मिथक शरीर, आत्मा, आत्मा - वे कहाँ जाते हैं? विवाह और तलाक भगवान का विश्रामदिन उत्पत्ति सृष्टि से पहले सृष्टि इब्रा **पाठ्यक्रम 5 - मसीह में परिपक्व होना** क्रूस से सबक भगवान की पुनर्निर्माण प्रक्रिया अब तक पूछे गए सबसे महान प्रश्न जीविकामसीह में एक दूसरे के लिए अधिकतम जीवन जीना अभी और हमेशा के लिए वादे असली पुरुष ईश्वरीय पुरुष हैं जीवन के अद्भुत शब्द **कोर्स 6 - बाइबल विद्वान बनना** छायाएँ, प्रकार और भविष्यवाणियाँ पवित्र आत्मा डैनियल यीशु मसीह का रहस्योद्घाटन शास्त्रों का मौन शिक्षाएँ और प्रथाएँ100 ई. से 1500 ई. तक सुधार या पुनर्स्थापना बाइबिल का संकलन और अनुवाद आज की चर्च प्रथाएँ

बाइबिल विद्वानों के लिए अध्ययन **रेखांकित बाइबिल** **सारांशित बाइबिल** **प्रकार और रूपक**	**यीशु की वंशावली - एक चार्ट**

इंटरनेशनल बाइबल नॉलेज इंस्टीट्यूट के पास thebiblewayonline.com पर अन्य भाषाओं के लिंक हैं।